सस्त्र (SASTRA) रामानुजन पुरस्कार 2022

वर्ष 2022 के लिये सस्त्र (SASTRA) रामानुजन पुरस्कार यूंकगि तांग, सहायक प्रोफेसर कैलफिोर्नयिा वशि्ववद्यिालय, बर्कले, संयुक्त राज्य अमेरिका को दयिा जाएगा।

- सुश्री यूंकगि की रचनाएँ परषि्कृत तकनीकों का उल्लेखनीय संयोजन प्रदर्शति करती हैं, जसिमें मॉड्यूलर वक्र और **शमिुरा कस्मि के अंकगणति एवं ज्यामति** केंद्रीय भूमकिा नभिाते हैं, तथा **उनके परणिाम व वधियिाँ इस क्षेत्र में भवषि्य के अनुसंधान पर प्रभाव डाल सकते हैं।**

प्रमुख बदिु:

- यह पुरस्कार वर्ष 2005 में **शनमुघा कला, वज्ञिान, प्रौद्योगकिी और अनुसंधान अकादमी (सस्त्र) द्वारा स्थापति कयिा गया था।**
- श्रीनविास रामानुजन से प्रभावति होकर **गणति के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 32 वर्ष और उससे कम आयु के व्यक्तयिों को** इस पुरस्कार के तहत **10,000 अमेरकिी डॉलर** की नकद राशपि्रदान की जाती है।

श्रीनविास रामानुजन:

- **परचिय:**
  - रामानुजन का जन्म **22 दसिंबर, 1887 को इरोड गाँव (चेन्नई से 400 कमिी. दूर, जो तब मद्रास के** नाम से जाना जाता था) में हुआ था।
  - वर्ष 1913 में उन्होंने **ब्रटिशि गणतिज्ञ गॉडफ्रे एच. हार्डी के साथ पत्र-व्यवहार शुरू कयिा,** जसिके बाद वे ट्रनिटिी कॉलेज, कैम्ब्रजि चले गए।
  - रामानुजन ने **संख्याओं के वशि्लेषणात्मक सद्धिांत** में पर्याप्त योगदान दयिा और
  - **दीर्घवृत्तीय कार्यों (Elliptic Functions) पर भी ध्यान केंद्रति कयिा।**
  - उन्होंने पूर्ण संख्या, **हाइपरज्यामतिीय श्रेणी (Hypergeometric Series) और यूलर स्थरिांक (Euler's Constant) के वभिाजन पर भी काम कयिा।**
  - उनके पत्र अंग्रेज़ी और यूरोपीय पत्रकिाओं में प्रकाशति हुए थे तथा **वर्ष 1918 में लंदन की रॉयल सोसाइटी के लिये उनका चयन हुआ।**
  - भारत लौटने के बाद लंबी बीमारी के कारण 26 अप्रैल, 1920 को मात्र 32 वर्ष की आयु में उनका नधिन हो गया।
  - भारत में प्रतविर्ष महान गणतिज्ञ श्रीनविास रामानुजन की जयंती (22 दसिंबर) को **राष्ट्रीय गणति दवािस (National Mathematics Day)** के रूप में मनाया जाता है।
- **योगदान:**
  - **सूत्र और समीकरण:**
    - रामानुजन ने अपने 32 वर्ष के अल्प जीवनकाल में लगभग 3,900 परणिामों (समीकरणों और सर्वसमकिाओं) का संकलन कयिा है। उनके सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यों में **पाई (Pi) की अनंत श्रेणी** शामलि थी।
    - उन्होंने पाई के अंकों की गणना करने के लिये कई सूत्र प्रदान कयिे जो परंपरागत तरीकों से अलग थे।
  - **खेल सद्धिांत:**
    - उन्होंने कई चुनौतीपूर्ण गणतिीय समस्याओं को हल करने के लिये नवीन वचिार प्रस्तुत कयिे, जन्हिोंने खेल सद्धिांत के वकिास में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाई।
    - खेल सद्धिांत में उनका योगदान वशिुद्ध रूप से अंतर्ज्ञान पर आधारति है और इसे अभी तक गणति के क्षेत्र में सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है।
  - **रामानुजन की पुस्तकें:**
    - वर्ष 1976 में जॉर्ज एंड्रयूज ने ट्रनिटिी कॉलेज की लाइब्रेरी में रामानुजन की एक नोटबुक की खोज की थी। बाद में इस नोटबुक को एक पुस्तक के रूप में प्रकाशति कयिा गया था।
  - **रामानुजन नंबर:**
    - 1729 को रामानुजन संख्या माना जाता है।
    - यह ऐसी सबसे छोटी संख्या है, जसिको दो अलग-अलग तरीके से दो घनों के योग के रूप में लखिा जा सकता है।
      - 1729, 10 और 9 के घनों का योग है- 10 का घन (1000) और 9 का घन (927) है और इन दोनों को जोड़ने से हमें 1729 प्राप्त होता है।

- 1729, 12 और 1 के घनों का योग भी है- 12 का घन (1728) और 1 का घन (1) है तथा इन दोनों को जोड़ने से हमें 1729 प्राप्त होता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न- द मैन हू न्यू इनफिनिटी नामक एक हालिया फिल्म (2016) किसकी जीवनी पर आधारित है? (2016)

(a) एस. रामानुजन
(b) एस. चंद्रशेखर
(c) एस.एन. बोस
(d) सी.वी. रमन

उत्तर: (a)

- 'द मैन हू न्यू इनफिनिटी' भारतीय गणितज्ञ एस. रामानुजन (1887-1920) की जीवनी पर आधारित फिल्म है, इन्हें गणितीय विश्लेषण के क्षेत्र में अपार योगदान के लिये जाना जाता है। वह रॉयल सोसाइटी के फैलो थे।

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sastra-ramanujan-prize-2022